Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

UGA–232

B.A. (Part–II) (N.C.) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए :

   (i) 'अंधेर नगरी' नाटक के लेखक कौन हैं ?

   (ii) "अंधेर नगरी .....। टके सेर ....." लोकोक्ति को पूर्ण कीजिए।

   (iii) "धर्मगतिशील है, भीष्म। इसलिए वह सनातन है।" ऐसा किसने कहा ?

   (iv) 'हस्तिनापुर' नाटक के अनुसार विदुर की माँ का नाम बताइए।

   (v) 'मकड़ी का जाला' एकांकी में शीर्षक का अर्थ स्पष्ट कीजिए एकांकी में प्रयुक्त विषय के अनुसार।

   (vi) 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी में मोहन राकेश ने किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया है ?

   (vii) 'हरी घास पर घंटे भर' एकांकी का उद्देश्य बताइए।

   (viii) 'समरथ को नहीं दोष गुसाई' एकांकी किस समस्या पर आधारित है ?

   (ix) 'संकलन-त्रय' क्या है ? एकांकी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

   (x) नाटक और एकांकी में प्रमुख **दो** अन्तर लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** गद्यांशों की व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. हाय! मैंने गुरुजी का कहना न माना, उसी का यह फल है। गुरुजी ने कहा था कि ऐसे नगर में न रहना चाहिए, यह मैंने न सुना। अरे! इस नगर का नाम ही अंधेर नगरी और राजा का नाम चौपट्ट है। तब बचने की कौन आशा है। अरे! इस नगर में ऐसा कोई धर्मात्मा नहीं है जो इस फकीर को बचावै। गुरुजी! कहाँ हो ? बचाओ गुरुजी–गुरुजी।

3. नहीं! कभी कुछ प्रकट नहीं किया। लेकिन धृतराष्ट्र और उसके पुत्रों की अनीति को समझते हुए भी उन्हें कभी छोड़ा नहीं उन्होंने। क्या कारण हो सकता है इसका ? अम्बिका की सन्तान के प्रति यह उदारता उसके लिए एक कोमल भाव का रूप ही लगती है मुझे। कौरवों के पक्ष में कितना भयंकर युद्ध किया। उन्होंने–वह केवल अस्त्र कौशल का परिणाम नहीं था–एक गहरी भावना के बिना वह आवेश सम्भव नहीं था–वह भी इस वय में।

4. जानती हूँ अंधे से मोह है तुम्हें। भाई जो हो उसके। इसलिए कहती हूँ तुम्हें जाना होगा। मैं यहीं रहूँगी। इस कुरुमुक्त नगरी में—वर्षों से अभिलाषा थी कुरुमुक्त राज्य में जीवन बिताने की। वह अब पूरी होती है। इस समय और कहीं नहीं जाना चाहती हूँ मैं। मेरी देखभाल की चिन्ता मत करो। उसमें कोई कठिनाई नहीं होगी।

5. ओह यह झूठ है, यह गलत है। ..... मैं स्टार ट्रेडिंग कम्पनी का मैनेजिंग डायरेक्टर, बीसियों कम्पनियों का हिस्सेदार, स्टील कॉर्पोरेशन का मेम्बर, मैं भोलानाथ। मैं वह हूँ जिसने उन्नति और सफलता का आदर्श समाज को दिखाया है। गरीबी के खंदक से मैं अमीरी के महल की चोटी तक पहुँच चुका हूँ। मैं सफल हूँ, कर्मठ हूँ, भित्ति की तरह अचल हूँ, नियमों पर चला हूँ। मैं असलियत को पहचानता हूँ।

6. कीटाणु ..... जर्म्स ..... हमारी नस-नस में फैल जाते हैं और रात-दिन दुगुने, चौगुने, दसगुने, सौगुने होते जाते हैं। इससे आदमी की महत्वाकांक्षा मर जाती है। कार्यशक्ति जवाब दे जाती है, किसी भी चीज को लेकर 'न' कह सकने का साहस उसमें नहीं रह जाता। वह केवल दूसरों का मुँह ताकने और हाँ-हाँ करने की एक मशीन में बदल जाता है जिसका सारा ध्यान निम्न स्तर की कुछ आवश्यकताओं को छोड़कर और किसी चीज पर नहीं टिक पाता। परिणाम होता है कि कुछ निम्न स्तर की माँगें, कुछ निम्न स्तर के प्रस्ताव।

7. लेकिन यह सब बेबात की बातें हैं। सभी न्यूराटिक इसी तरह की बातें करते हैं। मेरी समझ में इस नाटक का लेखक न्यूराटिक है। हमें जो रुचता नहीं, जो हमारे विचारों के सांचे में अंटता नहीं, उसे हम न्यूरसिस न कहें तो क्या कहें ? इस पूरे नाटक में कोई मतलब नहीं है। वह हमें खाहमखाह भरम में डाल रहा है।

8. हैलो ..... कौन ..... सावित्री जी ? नमस्कार सावित्री जी, वो जो आपका अन्ध महाविद्यालय है ना, उसके लिए मैं डेढ़ लाख का चन्दा देना चाहता था। नहीं-नहीं चैक नहीं कैश। एकदम नगद। काम ? काम तो कुछ भी नहीं, वो आपके जो हैं ना ? मंत्री जी—उनके पास मेरे प्याज और चीनी की एक्सपोर्ट की फाइलें दबी हुई हैं। अगर आपकी नजरें इनायत हो जायें तो ..... जी। हाँ ..... हाँ, मैं कल ही हाजिर हो जाऊँगा। कैश लेकर, धन्यवाद।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. 'हस्तिनापुर' नाटक में शुभा के माध्यम से नाटककार आचार्य ने कौन-कौनसे सवाल खड़े किये हैं ? विस्तार से समझाइए।

10. 'अंधेर नगरी' नाटक से उदाहरण देते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाओं में राजभक्तिपरकता के स्वर मुखर हैं।

11. 'कमल और कैक्टस' एकांकी में लक्ष्मी नारायण रंगा ने युवा पीढ़ी की त्रासदी का चित्रण किया है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) नाटक के तत्व

    (ख) एकांकी का इतिहास

    (ग) मेरा प्रिय एकांकीकार

    (घ) नाटक और एकांकी में अन्तर